हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 2 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

निजी विद्यालय फीस व अन्य जानकारियाँ 8 जून तक पोर्टल पर अपलोड करें

मण्डला। राज्य शासन द्वारा सभी निजी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे स्कूल फीस तथा अन्य विषयों की जानकारी पोर्टल पर आगामी 8 जून तक अपलोड कर दें। शासन द्वारा 30 जून तक विशेष अभियान चलाकर निजी स्कूलों में अनियमितताओं को चिन्हांकित करने के निर्देश दिये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दिये गये निर्देशों में कहा गया है कि कतिपय विद्यालयों द्वारा फर्जी व डुप्लीकेट आईएसबीएन पाठ्य-पुस्तकों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। अभियान में अनियमितताएँ चिन्हित होने पर संबंधित प्रकाशक एवं बुक सेलर्स के विरुद्ध नियमानुरूप कार्यवाही भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि राज्य शासन को कतिपय निजी विद्यालयों द्वारा शासन द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन कर अनियमितता बरतने की शिकायतें मिल रही हैं। इस अधिनियम के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करायें। निजी विद्यालयों द्वारा फीस में वृद्धि एवं इसके संग्रहण तथा इससे जुड़े अन्य विषयों को रेगुलेट करने के लिये म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2017 बनाया गया है। इस अधिनियम के अधीन म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम-2020 में प्रावधानित किया गया है कि राज्य सरकार निजी विद्यालयों की फीस व अन्य विषयों पर निर्णय लेकर फीस विनियमन कर सकेगी।

मतगणना को लेकर नोडल अधिकारियों की कलेक्टर ने ली बैठक

24 घंटे में तैयारियाँ पूर्ण करने निर्देश

*** सभी उपकरणों की कर लें जांच।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के तहत मंडला संसदीय क्षेत्र के बिछिया, निवास तथा मंडला विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 4 जून को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। इस संबंध में आयोजित नोडल अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि मतगणना पूरे निर्वाचन प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें किसी भी प्रकार की गलती के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने निर्देशित किया कि मतगणना के संबंध में जो भी तैयारियां शेष बची हैं उन्हें अगले 24 घंटे में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, ऋषभ जैन एवं हुनेन्द्र घोरमारे, सहायक कलेक्टर आकिप खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था, मानव संसाधन, मीडिया रूम, सीलिंग, पोस्टल बैलेट, स्ट्रॉंग रूम मैनेजमेंट, ईव्हीएम मैनेजमेंट, लॉ-एण्ड ऑर्डर, वेलफेयर मैनेजमेंट, विद्युत व्यवस्था, साउंड सिस्टम, पार्किंग, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीव्ही कार्य आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक कमरे के सामने पेयजल की व्यवस्था रखें। परिसर की साफ-सफाई नियमित रूप से कराएं। मतगणना स्थल में अस्थायी अस्पताल तैयार करें, आवश्यक दवाईयां रखें तथा चिकित्सक सहित अन्य स्टॉफ की ड्यूटी लगाएं। परिसर में एम्बूलेंस तथा फायरब्रिगेड की उपलब्धता सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी स्वयं तथा अपने सहयोग स्टॉफ का प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से बनवा लें, बिना प्रवेश पत्र के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मॉकड्रिल में शतप्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति आवश्यक

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी आवंटित कार्यों को संपादित करने के लिए सहयोगी स्टॉफ के मध्य कार्यों का वितरण करें। मतगणना की तैयारियों के संबंध में 3 जून को होने वाली मॉकड्रिल में शतप्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईव्हीएम मार्ग पर लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों की टेस्टिंग करें। सभी कमरों में लगाए गए कम्प्यूटर, फोटोकॉपी मशीन, प्रिंटर, यूपीएस आदि उपकरणों की जांच कर लें। सभी कमरों में पर्याप्त मात्रा में स्टेशनरी की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

विधानसभावार कलर कोडिंग

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मतगणना स्थल पर विधानसभावार पृथक-पृथक रंगों का उपयोग करते हुए आवश्यक संकेतक लगाएं। इसी प्रकार परिचय पत्र में भी विधानसभावार कलर कोडिंग करें। मॉकड्रिल के दौरान सभी अधिकारी, कर्मचारियों को उनके लिए नियत मार्ग आदि से अवगत कराएं। उन्होंने ईव्हीएम परिवहन में लगे कर्मचारियों के लिए भी विधानसभावार कलर कोडिंग करने के निर्देश दिए।

सेवानिवृत्ति पर सहायक लेखापाल गर्ग को दी गई भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जल संसाधन विभाग संभाग मण्डला में पादस्थ मान चित्रकार एस, के, राजोरिया, सहयक लेखापाल सतीश कुमार गर्ग का 31 मई 2024 को सेवानिवृत होने पर जल संसाधन विभाग के आफिस कार्यलय में उनके स्टाफ के द्वारा कार्यक्रम अयोजित कर भावभीनी विदाई समारोह कार्यकर्म आयोजित किया गया, इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री चंद्रशेखर धुर्वे की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया, सहायक यंत्री आर, के, दुबे, अनुविभागीय अधिकारी नेपेंदर सिंह, अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप सिंह परस्ते, उपयंत्री तारेंद्र धुर्वे, उपयंत्री एम, एल,पटेल, सहायक ग्रेड 2 के.पी. चौरे, यतेंद्र कुमार चंद्रोल, सहित जल संसाधन विभाग के कर्मचारी और अधिकारियों की उपस्थिति में विदाई समारोह के अवसर पर कार्यपालन यंत्री श्री धुर्वे ने सेवानिवृत्त हों रहे दोनों विभूतियों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि जितना समय इनके द्वारा मेरे साथ कार्य करने का रहा वह निश्चित रूप से सराहनीय और यादगार रहेगा इनके नहीं रहने की कमी हमेशा रहेगी मांनचित्रकार राजोरिया और सहायक लेखापाल सतीश गर्ग के द्वारा निर्विवाद तरीके से सबको एक साथ लेकर इस कार्यालय के कार्यों का निर्वाह किया गया निश्चित रूप से इनके द्वारा किए गए कार्य की में सराहना करता हूँ, कार्यक्रम में इस अवसर पर पत्रकार जिला ब्यूरो चीफ धर्मेंद्र पाण्डे, आनंद सोनी, सुनील गर्ग सहित दोनों परिवारों के सदस्य रिश्तेदार श्री मति सविता पाठक सेवा निवृत शिक्षक हीरा लाल पाण्डे, रोहर्णी पाण्डे,भगवती पाण्डे सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित थे कार्यक्रम का सफल संचालन यतेन्द्र कुमार चंद्रोल ने किया आभार व्यक्त आर, के दुबे ने किया।

यातायात नियम के पालन से सुरक्षित करें जीवन

बम्हनीबंजर। मण्डला पुलिस द्वारा यातायात नियमों के प्रति आम जनता को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। विशेष अभियान के तहत थाना बम्हनी अंर्तगत साप्ताहिक बाजार में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें थाना प्रभारी निरीक्षक वर्षा पटेल द्वारा बम्हनी बंजर स्टाफ के साथ यातायात के नियमों का पालन करने के लिए आम जनता को बैनर पोस्टर के माध्यम से बताया गया। पुलिस द्वारा बैनर के माध्यम से निवेदन किया कि बिना लायसेंस वाहन न चलायें, बिना हेलमेट धारण किये दो पहिया वाहन न चलायें, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगायें, शराब पीकर वाहन न चलायें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, नाबालिग को वाहन चलानें न दे और दो पहिया वाहन पर दो से अधिक सवारी न बैठाने की समझाईश दी गई।

मतगणना कार्य से संबंधित मॉकड्रिल 3 जून को

मण्डला। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 14 मंडला की विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना का कार्य 4 जून 2024 को प्रातः 8 बजे से किया जाएगा। इस संबंध में 3 जून 2024 दिन सोमवार को प्रातः 8:30 बजे से रानी फूलकुंवर शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज मंडला में मतगणना कार्य से संबंधित मॉकड्रिल किया जाएगा। मतगणना से संबंधित सभी अधिकारी, कर्मचारी मतगणना मॉकड्रिल में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सायबर क्राईम पोर्टल की कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मण्डला द्वारा जिलों में समस्त थाना में प्राप्त होने वाली सायबर फ्राड की शिकायतों व मोबाईल गुमने की प्राप्त शिकायतों पर तत्काल त्वरित कार्यवाही करने के लिए थाना एवं चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिये जाने के हेतु निर्देश दिये गये थे। आज दिनांक को मंडला पुलिस द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में 01 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें थाना एवं चौकियों से आये हुए 50 पुलिसकर्मियों को सायबर का प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित प्रशिक्षण में सायबर सेल मण्डला प्रभारी व सायबर सेल में पदस्थ पुलिसकर्मियों ने थाना स्तर पर सीईआईआर पोर्टल पर मोबाईल गुमने की शिकायत पर कैसे कार्य करें एवं मोबाईल रिकवर कर वास्तविक धारक तक पहुँचाने तक की जानकारी प्रदान किया गया। साथ ही नेशनल सायबर क्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल जिसमें सायबर फ्राड से संबंधित शिकायत की जाती के माध्यम से जानकारी मंगवाने तथा सायबर फ्राड की प्राप्त शिकायत पर तत्काल कार्यवाही कर प्रार्थी को फ्राड़ की राशी आदि वापस कैसे कराये जा सकते हैं इस संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। सायबर कार्डिनेशन सेंटर i4c द्वारा सायबर फ्राड़ के मामले में तत्काल कार्यवाही हेतु थाना स्तर पर सिटिजन फायनेनशियल सायबर फ्राड़ रिपोर्टिंग एवं मेनेजमेंट सिस्टम लांच किया गया। जिससे सायबर फ्राड के मामले में पैसे होल्ड एवं रिफंड कराने की कार्यवाही थाना स्तर पर और भी प्रभावी तरीके से की जा सकेगी। थाना निवास की तत्परता से रिपोर्ट के कुछ ही घंटे में नाबालिग को ढूंढ कर परिजनों के सुपूर्द किया थाना निवास को एक व्यक्ति द्वारा अपने नाबालिग लड़की के गुम हो जाने की रिपोर्ट प्राप्त की गयी थी। मामले के संज्ञान में आते ही थाना निवास पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए तत्काल एसडीओपी निवास के निर्देशन व थाना प्रभारी निवास के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा तकनिकी जानकारी एकत्र करते हुए बालिका का पता लगाने हेतु हरसंभव प्रयास किये गये। निवास पुलिस के प्रयासों व सक्रियता से कुछ घंटे के अंदर ही बालिका को ढूंढ कर सकूशल परिवारजनों को सुपूर्द किया गया। थाना प्रभारी निवास निरीक्षक पीके मुवेल के नेतृत्व में उनि.संजय यादव, आरक्षक अवधेश पासी महिला आरक्षक महिमा वास्कले की भूमिका रहीं।

मित्रता तो कृष्ण सुदामा की जैसी होनी चाहिए-प. रमेश तिवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्राम भीमडोंगरी (मण्डला) आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के कथा व्यास पंडित रमेश तिवारी ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए। उन्होंने आज भगवान श्रीकृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया। प्रदुम्न चरित्र एवं सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास पंडित रमेश तिवारी ने बताया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा जी से समझा जा सकता है। सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र कृष्ण से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। सुदामा ने द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे लेकिन द्वार पर द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं, इसपर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। अपना नाम सुदामा बता रहा है। जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना सुदामा-सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे। सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया। दोनों की ऐसी मित्रता देखकर सभा में बैठे सभी लोग अचंभित हो गए। कृष्ण सुदामा को अपने राज सिंहासन पर बैठाया। उन्हें कुबेर का धन देकर मालामाल कर दिया। जब भी भक्तों पर विपदा आई है। प्रभु उनका तारण करने अवश्य आए हैं। कथा सुनकर श्रद्धालुओं भाव विभोर हुए, आँखे नम हुई।

अनदेखी | खाताधारक की मृत्यु होने के बाद नॉमिनी ने किया था आवेदन।

खाताधारकों को बीमा योजना का नहीं मिल रहा लाभ

*** आवेदिका बैंक के काट रही चक्कर, नहीं हो रही सुनवाई।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

किसी भी बैंक में खाता होने पर वर्ष 2015 से पीएम जीवन ज्योति बीमा लागू किया गया है। बीमा योजना में खाताधारकों के खाता से हर साल मई माह में प्रीमियम की राशि काट ली जाती है लेकिन इस योजना का लाभ खाताधारको के नॉमिनी को नहीं मिल रहा है। मामला नारायणगंज जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत परतला का है। यहां देवेकी बाई ने पति मुन्ना लाल मरावी की मृत्यू के बाद बीमा की राशि के आवेदन किया लेकिन नौ माह से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी बीमा योजना का लाभ नहीं मिला है। नॉमिनी होने के नाते वह सैंट्रल बैक ऑफ इंडिया शाखा नारायणगंज के चक्कर लगाने मजबूर है लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

बताया गया है कि सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा नारायणगंज में ग्राम पंचायत परतला निवासी मुन्ना लाल मरावी का खाता रहा है लेकिन नौ माह पहले उसकी मृत्यू हो गई। नॉमिनी होने पर पत्नि देवेकी बाई ने बीमा योजना के अनुसार बीमा राशि के लिए क्लेम किया। पीएम जीवन ज्योति बीमा का आवेदन पूरे दस्तावेज सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की शाखा नारायणगंज में 9 माह पूर्व ही जमा कर दिए लेकिन अभी तक बैंक के द्वारा किसी भी प्रकार क्लेम नहीं दिया गया है। लापरवाह बैंक कर्मचारियो के द्वारा आवेदन को गंभीरता से ही नहीं लिया गया है। नौ माह से पति के बीमा की राशि का इंतजार है।

नॉमिनी महिला कुछ ग्रामीणो के साथ बैंक से जानकारी जुटाई तो पता चला कि उसका आवेदन ही बैंक शाखा से गायब है। इधर आवेदन जमा कराने की पावती आज भी महिला के पास है। इस तरह खाताधारकों को परेशान किया जा रहा है। पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है। बैंको द्वारा जीवन ज्योति बीमा की जानकारी किसी भी बैंक ने आज तक आपने कार्यालय में चस्पा नही किया है, और ना ही कोई जानकारी दी जाती है। बात दें कि पीएम जीवन ज्योति बीमा खाता धारकों का 2 लाख का बीमा होता है। खाता धारक की दुर्घटना हो जाने पर 100000 का दुर्घटना बीमा और खाताधारक की मृत्यु हो जाने पर 200000 दिया जाता है। जानकारी के अभाव के कारण हमारे क्षेत्रवासी इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहे है।

नलों में आ रहा नाली का गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ग्राम पंचायत बिनैका में नल-जल के माध्यम से जो पानी ग्रामवासियों के घर तक पहुंच रहा है वह इतना दूषित है कि उसे पीना तो क्या हाथ धोना भी संभव नहीं है नाली में बहने योग्य पानी नल में आ रहा है फिर भी ग्राम की ग्राम पंचायत व सचिव की नींद है कि खुलती नहीं है ग्राम के लोगों के द्वारा अनेकों बार इस विषय में शिकायत की गई है नल से गंदा पानी उनके घरों तक पहुंच रहा है इस विषय में ना तो आज तक टंकी की सफाई कराई गई ना ही नालों की सफाई कराई गई और ना ही नालों को नाली से दूर उचित जगह पर बनाकर लगाया गया जिसे ग्राम के लोग दूषित पानी पीने को मजबूर है जबकि नल-जल के द्वारा ग्राम पंचायत की हर महीने आय का मुख्य स्रोत है जिसका तो ना उन्हें बिजली बिल पटाना पड़ता है ना ही किसी प्रकार का वहन करना पड़ता है उसी से ग्राम पंचायत के सभी खर्च चलता है एवं जरूरते पूरी होती है फिर भी ग्राम पंचायत इस विषय में गंभीर नहीं है इस विषय पर ना कोई बोलने को तैयार है और ना जवाब देने को ग्राम पंचायत के इस रवैए से ग्रामवासी परेशान है। उनका कहना है कि ग्राम पंचायत में जाकर सरपंच सचिव से कई बार बोला गया कि नल से पानी गंदा आ रहा है किंतु सरपंच सचिव ध्यान नहीं दे रहे। ग्राम पंचायत के द्वारा जो बॉल लगवाया गया नाल खोलने के लिए वह बॉल नाली के अंदर है इसी कारण पानी जब बॉल खोला जाता है तो पानी नाली का पानी बाल के अंदर चला जाता है जिससे कि पानी की सप्लाई पूरे गांव में होती है वही पानी गंदा घर-घर जा रहा है इस विषय पंचायत सरपंच सचिव से बोलने पर भी ध्यान नहीं दिया जाता क्या कारण है आखिर सरपंच सचिव ग्रामीणों की बात को अनसुना कर देती है यदि ऐसा ही चला रहा तो एक दिन ग्राम वासियों के द्वारा अनशन पर बैठ जाएगा जिसकी जवाबदारी ग्राम पंचायत विनायक की होगी।

खबर संक्षेप

फैल रहा है नशे का अवैध कारोबार

गाडरवारा। शराब के बाद शहर में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? युवा जिस तरह के नशें की चपेट में आते हुये देखे जा रहे है उसकी सच्चाई बडे महानगरों के तरह सिर्फ फ्ल्मों में ही देखने मिलती थी। मगर अब हमारे छोटे नगर में जो हकीकत देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक साबित होने से नही चूक रहे है? फ्ल्मों में दिखाई देने वाले नशें का कारोबार अब नगर में आसानी से मिलने वाली महँगी सिगरेटो के फूँकने के दौरान युवाओं,किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है? वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है, भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक होने के साथ साथ पूरे परिवार को बर्बादी की ओर ले जाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदि हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है? जागरूक शहरवासियो का कहना है कि पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देखभाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

ओवर लोडिंग की भी हद होती है भाई

गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र की सड़कों पर अपने निजी स्वार्थ के चलते वाहन मालिकों द्वारा ओवर लोडिंग करते हुए उनका परिचालन किया जा रहा है, उसके चलते जहां आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर यातायात नियमों की भी धडल्ले से धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? जानकारी के अनुसार कुछ टेक्टर मालिको द्वारा शहर से ग्रामीण क्षेत्रों की सोसाईटियों में माल पहुंचाने की जिम्मेदारी ली गई है जो एक ही चक्कर में अधिक माल पहुंचाने की सोच रखते हुए उनको इस प्रकार से ओवर लोडिंग करते हुए ले जाया जाता है जिससे वाहन चालकों की जिन्दगी के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस प्रकार की ओवर लोडिंग को नजर अंदाज किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है? यदि समय रहते हुए इस प्रकार की ओवर लोडिंग पर अंकुश नही लगा तो किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार न ही किया जा सकता है?

बेरोजगारों को भ्रमित कर रही हैं कंपनियाँ

सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगार युवकों को ठगने का सिलसिला खुलेआम देखने मिल रहा है? जिसमें जिसमें देखा जा रहा है कि आये दिन नित्य नयी नयी कंपनियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में अपने पैर पसार रही हैं और बेरोजगार युवकों को बहला फुसलाकर उन्हें रातो रात लखपति बनाने का सपना दिखाते हुये अपने जाल में फाँस रही हैं और ताज्जुब की बात तो यह है कि इन कंपनियों के ऐजेंट शहरों से लेकर गाँव गाँव तक घूमकर बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाते हैं और उन्हें कुछ ही महीनों में लखपति बनने के आसमानी सपने दिखाकर उनसे एक मुश्त रकम लेकर उनको अपना एजेन्ट बना लेते हैं।

आमजन को इस परेशानी से कब निजात मिल पायेगी

राठी तिराहा से बस पुराना बस स्टैंड जाने वाले मार्ग की सड़क के ऊपर दिन भर रहता है लोडिंग वाहन का अतिक्रमण रूपी कब्जा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर नगर में यातायात को सुगम बनाने के लिये अतिक्रण हटाने के लिये अधिकारियों को कार्यवाही करते हुये देखा जाता है। मगर दूसरी ओर यहां पर फैले हुये अघोषित अतिक्रमण को जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस तरह नगर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित रूप से दुर्घटनाओं की अशंका पैदा करने से नही चूक रहा है? नगर के राठी तिरहा से पुरानी गल्ला मंडी होते हुये नया बस स्टेन्ड तक पहुंचने वाली सीमेन्ट सड़क कई वर्ष पुरानी होने के कारण आमजन के लिये परेशान होना पड़ रहा था, क्योंकि यह नगर का प्रमुख मार्ग इसलिये माना जाता है। इसी मार्ग से जहां मुख्य बाजार को पहुंचा जाता है। वही दूसरी ओर मंडी से लेकर पेट्रोल पंपों सहित अनेक शिक्षण संस्थाओं के लिये पहुंचने वाली सड़क होने के कारण जर्जर स्थिति में पहुंच चुकी इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण के लिये नगरवासियों द्वारा लगातार मांग उठाई जा रही थी जिसके चलते बड़ी मुश्किलों के बीच जब इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली तो नगरवासी खुशी से झूमते हुये देखे गये। सड़क निर्माण की शुरूआत हुई तो निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस गति से काम किया गया था उसके चलते लोगों को जिस तरह परेशानियों का सामना करना पड़ा था यह बात भी किसी से नही छिपी है। वही दूसरी ओर आमजन के लिये एक उम्मीद थी कि इस सड़क के निर्माण होने से शायद कुछ परेशानियां झेलने के बाद सुविधा मिलेगी वह एक सपना साबित होते हुये जान पड़ रहा है? क्योंकि बड़ी मुश्किलों के बाद इस सड़क का निर्माण कार्य तो हो चुका है। मगर इस सड़क के निर्माण होने के बाद भी आम लोगों को परेशानियों से निजात मिलते हुये दिखाई नही पड़ रही है? क्योंकि इस नवनिर्मित सड़क की सच्चाई पर गौर किया जावे तो सड़क की पूरी एक पट्टी पर जिस प्रकार से लोडिंग वाहन मालिकों द्वारा कब्जा जमा लिये जाने के बाद इस समय यहां से यातायात व्यवस्था मात्र एक पट्टी के भरोसे ही चलते हुये देखी जा रही है। बताया जाता है कि नगर के राठी तिरहा से पुराने बस स्टेन्ड तक अनेक बड़ी लोहा सीमेन्ट सहित अन्य सामग्री की दुकाने संचालित हो रही है जिनका समान ग्राहकों के घरो तक पहुंचाने वाले अनेक प्रकार के लोडिंग वाहन मालिक इसी सड़क की एक पट्टी पर अपने वाहन खड़े करते हुये अघोषित रूप से दिन भर अतिक्रमण करते हुये कब्जा करने से नही चूक रहे है। कुछ इसी प्रकार का हाल नये बस स्टेन्ड के पास भी देखने मिल रहा है जहां पर नवनिर्मित इस सड़क की एक साईड की पट्टी पर लोडिंग वाहनों के आलवा अनेक दुकानदारों द्वारा अपना कब्जा जमा लिया गया है? जिसका परिणाम है कि इस सड़क की एक साईड की पट्टी से जहां वाहन मालिकों का कब्जा होने से यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से बंद होने के कारण आमजन को अपने वाहन मात्र एक ही पट्टी से निकालने के लिये मजबूर रहने की स्थिति में जब बीच में कोई बड़ा वाहन फंस जाता है तो काफी समय तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी का सामना उन छोटे वाहन चालकों को करना पड़ता है जो दो पहिया वाहन से अपने परिवार को लेकर यहां से कही निकलकर जा रहे होते है या फिर कोई महिला स्कूटी के माध्यम से इस मार्ग से निकल रही होती है। वही दूसरी ओर हाथ ठेला के भरोसे अपनी रोजी रोटी कमाने वालो द्वारा इस प्रकार से सड़क पर अघोषित रूप से लोडिंग वाहन मालिकों द्वारा किये गये अपने वाहनों के माध्यम से अतिक्रमण के चलते उनकी रोजी रोटी भी छिनने से नही चूक पा रही है। यदि गौर किया जावे तो इसी मार्ग के किनारे अनेक ट्रांसपोर्ट भी संचालित हो रहे है जिन का माल आने ले जाने वाले ट्रको की लोडिंग व अनलोडिंग भी इसी सड़क पर खड़े करते हुये किये जाने के कारण आम लोगों के लिये परेशानी का सबब बनने से नही चूक पा रहा है? जिसके चलते यदि सड़क की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बड़ी मुश्किल से बनकर तैयार हुई इस सड़क को लेकर जिस प्रकार से नगर के लोगों ने सोचा था कि उन्हें परेशानी से निजात मिल जावेगी मगर जिम्मेदार अधिकारियों की अनादेखी के चलते वह मिलते हुये दिखाई नही पड़ रही है? इस तरह सड़क पर लगातार बढ़ रही वाहनों के अतिक्रमण की सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक पा रहा है तो दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारियों की यह अनदेखी एक बड़ी घटना को ओर संकेत देते हुये जान पड़ रही है? जबकि प्रतिदिन इस मार्ग से पुलिस अधिकारियों के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का निकलना होता रहता है। मगर वह भी चुपचाप इस सच्चाई को देखते हुये नजर अंदाज करते हुये निकलने से नही चूक पाते है, जिसके चलते इस मार्ग पर पूर्णरूप से लोडिंग वाहन मालिको का कब्जा होने के कारण आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रहा है। जबकि नगर की सड़को पर यातायात में सुधार लाने के लिये पुलिस द्वारा घुमाये जाने वाला डंडा इस ओर नही घूमने के कारण आमजन को परेशान होने के साथ साथ किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

सांझा चूल्हा कार्यक्रम ने गांवों में तोड़ा दम अधिकारियों को जांच करने के लिए नहीं है समय

सांईखेड़ा। जिस प्रकार से शासकीय स्कूलों में पढ़ाई करने वाले बच्चों सहित आंगनबाड़ी के छात्रों को पोषण युक्त अहार प्रदान करने हेतु साझा चूल्हा पोषण आहार कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। मगर अब वह क्षेत्र के गांवों में औपचारिकता बन कर रह गया हुआ जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि क्षेत्र के कई गाँवों में इस योजना ने दम तोड दिया है। गांवों में जाकर देखा जावे तो वहां पर न तो मीनू के अनुसार भोजन दिया जा रहा है और न ही साफ सफाई का ध्यान रखा जा रहा है? सरकार ने ग्रामीण स्कूलों के बच्चों और महिला एवं बाल विकास विभाग की आँगनवाड़ियों के बच्चों के लिए एक ही चूल्हे पर ताजा और पौष्टिक आहार देने की योजना को लागू तो किया गया है। किन्तु योजना का समुचित लाभ बच्चों को नही मिलते हुए नजर नही आ रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के सफल कार्यान्वयन में ग्रामीणों की उदासीनता भी चिंता का विषय बन गई है। पंचायतों के सरपंच और सचिव भी अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति जागरूकता के साथ नजर नही आ रहे है? वही स्कूली बच्चों के लिए दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन को लेकर भी ग्रामीणों को शिकायत है कि साझा चूल्हा योजना में गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश है किन्तु अनेक जगहों पर समूहों को संचालन करने वाली महिलाओं के पतियों ने इसे व्यवसाय का माध्यम बना लिया है? जो मीनू का समुचित पालन ही नही हो रहा है, यही नही क्षेत्र के कई गाँवों में विभागीय सॉठ गॉठ के चलतें योजना कागजों में चलते हुए बताई जा रही है? और उनका भुगतान भी समूह ले रहे है? तथा इनकी गुणवत्ता पर भी ऊँगलियॉ उठ रही है? मगर तहसील स्तर से लेकर जिले में बैठे हुए अधिकारियों द्वारा इन्हें जांच करने की बात तो दूर उनके निरीक्षण करने के लिए भी समय नही मिलता जिसके चलते यह शासन की योजना भगवान भरोसे ही चलता हुआ जान पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती, अटल ज्योति योजना पर खड़े हो रही सवाल?

हरिभूमि न्यूज/साईखेड़ा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को 24 घंटे बिजली उलब्ध कराने हेतु बड़ी ही जोर शोर से अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था, मगर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन लगातार कई घंटों तक हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग परेशन होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर सरकार की अटल ज्योति योजना पर लोगों द्वारा सबाल खड़े करते हुए इसे अटक ज्योति योजना का नाम दिये जाने लगा है? इस संबंध में बताया जाता है कि सांईखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां आम लोग परेशान हो रहे है वही दूसरी ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान लोगों की नींद हराम होती चली जा रही है। वही लोगों का कहना है कि यदि आने वाले और भीषण गर्मी के दिनों में यदि बिजली कटौती का यही आलम बना रहा तो लोगों का जीना मुश्किल हो जावेगा? जानकरी के अनुसार दिन और रात में की जा रही बिजली कटौती के कारण बच्चों बुर्जुगों के साथ महिलाओं की नीद उड़ गई है, इस संबंध में जब विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय एवं पावर हाउस में में बिजली कटौती को लेकर संपर्क किया जाता है तो वहा से एक ही जबाब मिलता है कि लाईन गाडरवारा से बिजली बंद होने के कारण हम कुछ नही बता सकते है या फिर कह दिया जाता है कि मेंनेटेन्स चल रहा है इस लिए बिजली बंद है? इस प्रकार से सुधार कार्य के नाम पर आये दिन कई घंटों तक बिजली बंद की जा रही है जिसके चलते जहां ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति तो प्रभावित होते हुए देखा जाता है, वही किसान भी अपने खेतों में लगाई गई गन्ना सहित अन्य फसलों में पानी देने के लिए परेशान होते हुए देखे जा रहे है।

भीषण गर्मी के दौरान कटौती ने छीना आमजन का अमन व चैन

भले ही केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकारों द्वारा अपने आपकों किसान हितैषी बताते हुये किसानों की मदद के लिये खड़े रहने का वादा किया जाता रहे मगर इस समय किसान जिस मुश्बित से परेशान होते हुये देखा जा रहा है उस और न तो सरकार द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार माने जाने वाले जन प्रतिनिधियों के द्वारा जिसका परिणाम है कि किसानों को अपने खेतों में लगाई गई मूंग सहित गन्ना फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली ही नही मिल पा रही है तो दूसरी ओर भीषण कर्मी के दौरान हो रही अघोषित बिजली के कटौती के कारण आमजन का अमन चेन छिनते हुये जान पड़ रहा है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे व आम लोगों के लिये 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया गया है और आये दिन क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम के दौरान सत्ता पार्टी से जुडे हुये नेता किसानों को सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली देने का डिंडोरा पीटते हुये देखे जाते है। मगर इन दिनों बिजली क अभाव में किसानों के खेतों की क्या हालत हो रही है इस ओर न तो बिजली विभाग के अधिकारी ध्यान दे रहे है और नही क्षेत्र के जन प्रतिनिधि जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा बड़ी उम्मीदों के साथ अपने खेतों में मूंग फसल बोई गई थी मगर बिजली नही मिलने से सिंचाई के आभाव में सूखते हुये दिखाई देने लगी है। इस तरह सालीचौका क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिये निर्धारित समय 10 घंटे में से मुश्किलों के बीच 2 से 3 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। वही दूसरी ओर ग्रामीणों को उपयोग हेतु 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले अटल ज्योति योजना की बिजली का हाल तो इस तरह देखा जा रहा है कि उसका बोल्टेज का रोना तो आम बात बनी ही रहती है और दिन रात में कई घंटे तक कटी रहने के कारण लोग गर्मी के दिनों में सुख चेन के साथ सो तक नही पा रहे है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह बिजली विभाग की चल रही मनमानी की ओर क्षेत्र की सत्ताधारी पार्टी से लेकर विपक्ष पार्टी भी जिस प्रकार मौन साधे हुये किसानों की बर्बादी का नजारा देखने में लगी हुई है वह निश्चित तौर से चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है।

पंचायती राज में हो रही अनियमितताओं को शायद सुनने वाला कोई नहीं?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र के अनेक पंचायतों में जिस प्रकार से मनमानी हावी हुई है शायद ही इस प्रकार की कभी देखी गई हो? क्योंकि पंचायतों में अनियमितता और मनमानी करने वालों को यत्र-तत्र जयकार होती आ रही है, पंचायती राज में तो भ्रष्टाचार का विकेन्द्रीकरण हो गया है, जिसकी अनेको शिकायते हुए या फिर होती है उन पर क्या कार्यवाही होती है किसी को कोई पता ही नही चलता है, इतना ही नहीं शिकायतों को ठंडे बस्ते में डाल देने का क्रम लगातार जारी है? त्रिस्तरीय पंचायती राज में पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अपने सगे संबंधियों व छुट भैया नेताओं को देना, पंचायत की राशि का दुरूपयोग करना, गरीबों के नाम पर आई योजनाओं का बंदर बांट करना आम बात होते हुए दिखाई पड़ रही है? परिणाम स्वरूप योजनाओं के असली हक दार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पंचायतों की ओर ताकते रहते हैं, किंतु उन्हें योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। इस बात की शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को ठेंगा दिखाने से पंचायत के कर्णधार पेट का खाना तक की योजनाओं में धांधली करने से नहीं चूक रहे हैं? भले ही सरकार द्वारा गरीबों के नाम पर अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनके उद्वार की बात कही जा रही है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में आज भी गरीब तबका अपने परिवार के साथ दयनीय स्थिति में है, वह न ईलाज न शिक्षा न रहने का ठौर ठिकाना अपने लिए बना पा रहा है यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आवास हीन लोगों के नाम पर योजना चला दी गई है। मगर इस योजनाओं के हितग्राहियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो गांवो में जाकर आसानी से देखा जा सकता है कि उसके सही पात्र हितग्राही आज भी टूटे हुए भवनों में निवास कर रहे है और पंचातयों के कर्णधारों के संगे संबंधियों के इस योजना का लाभ लेते हुए पक्के भवन बन रहे है? इस प्रकार से क्षेत्र की अनेक पंचयातों में देखा जा रहा है कि पंचायत प्रतिनिधि अपनी मनमानी के चलते रूपया कमाना अपनी शान समझते हुए पंचायती राज की धज्जियाँ उड़ने में कोई कसर छोड़ने से नही चूक रहे हैं? वही दूसरी ओर क्षेत्र की अनेक पंचायतो का हाल तो इस प्रकार से दिखाई दे रहा है जहां पर पंचायतों के कार्यों में सरपंच पतियों का हस्तक्षेप भी इस प्रकार से बढ़ा हुआ देखा जा रहा है कि वह अपनी पत्नियों को मिलने वाला सम्मान अधिकारियों के समक्ष खुद ही लेने से नही चूक रहे है, इस प्रकार की सच्चाई के चलते सही पात्र हितग्राहियों को व आम लोगो को पंचायती राज का लाभ नहीं मिल पा रहा है और सरकार द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाएं एक सपना बनकर रह चुकी है।

नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ही तोड़ रहे नियमों की धज्जियां

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शासन द्वारा हर विभाग में अलग अलग नियम बनाते हुए उनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य किया गया है, इसी प्रकार से रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिए आये दिन सख्त हितायत देते हुए नियमो को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भी प्रावधान बनाया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो बगैर किसी ठोस कारण के ट्रेन को रोकने व रेल पटरी पार करने सहित रेल विभाग के अन्य नियम बनाये गये है और यदि कोई इन नियमों का पालन नही करता है तो रेल विभाग द्वारा उसके व्यक्ति विशेष के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दंडित भी किया जाता है? मगर अब सबाल यह उठता है कि जब नियमों का पालन कराने के लिए आम लोगों को पाठ पढ़ाने वाले ही उन नियमों की धज्जियां उड़ाने लगे तो फिर आम पब्लिक से क्या उम्मीद की जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब स्थानीय रेल्वे स्टेशन पर कुछ वर्दीधारी ही नियमों को दर किनार करते हुये खुलेआम रेल पटरी पार करने से नही चूक रहे थें इस सच्चाई को देखकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि क्या रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियम मात्र आम जनता के लिए ही है? क्योंकि जब हम रेल्वे स्टेशन पर पहुंचते है तो वहां पर लगे हुये स्पीकरों से यह सूचना आये दिन सुनते है कि पैदल रेल पटरी पार करना नियम विरूद्व है और यदि कोई व्यक्ति पैदल रेल पटरी पार करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से विभाग के ही अधिकारियों व बर्दीधारी ही खुलेआम रेल पटरी पैदल पार करते हुए देखा गया तो लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि नियम सिर्फ आम जनता के लिये होते है विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कुछ भी करते हुये उन्हें सभी प्रकार की छूट प्रदान की जाती है।

खबर संक्षेप

शराब दुकान बिजुरी में मनमाने रेट पर बेची जा रही शराब

बिजुरी। बिजुरी नगर में खुली शराब की दुकानों में शराब उपभोक्ताओं को ठेकेदार द्वारा मनमाने कीमत लेकर शराब बेची जा रही है, जिससे उपभोक्ता अपने आपको ठगा महसूस कर रहे हैं, नियमतः शराब दुकान में शराब की रेट लिस्ट दीवारों पर टंगी रहती है दर्ज कीमत के आधार पर उपभोक्ताओं को शराब बेचने का नियम रहता है मगर बिजुरी शराब दुकान में शराब ठेकेदार द्वारा निर्धारित कीमत से ज्यादा पैसा लेकर शराब बेची जा रही है, जिससे शराब के उपभोक्ताओं में शराब ठेकेदार के विरुद्ध आक्रोश व्याप्त है, शराब उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि अन्य क्षेत्रों की तरह बिजुरी नगर क्षेत्र में भी निर्धारित रेट पर ही शराब बेची जाए जिससे उपभोक्ता अपने को ठगा महसूस ना कर सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही चरम पर

कोतमा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए दिन किसी न किसी मामले को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को सामने आया जब कोतमा के समीपी लेदरा गांव निवासी अमर सिंह एवं उसकी पत्नी अपने पुत्री का इलाज कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और उन्होंने जब डॉक्टर से बताया कि उसके पुत्री के कान में कोई कीड़ा घुस गया है जिसके कारण कान में दर्द हो रहा है, लेकिन डॉक्टरों ने गंभीरता से नहीं लिया और उसे एक कान का ड्रॉप देते हुए यह कहा गया कि इस दवाई को कान में डालिएगा दर्द ठीक हो जाएगा, लेकिन जब परिजनों से रहा नहीं किया और वह कोतमा में स्थित एक प्राइवेट क्लीनिक में गए और उन्होंने जब बच्ची का कम दिखाई तो प्राइवेट क्लीनिक के डॉक्टर ने बच्ची के कान से एक जिंदा कीड़ा निकला तब जाकर बच्ची के कान का दर्द ठीक हुआ। जिसकी जानकारी परिजनों के द्वारा मीडिया को दी गई। कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुरू से ही डॉक्टरों की लापरवाही की शिकायतें मिल रही थी आज वह सामने आ गई।

बुजुर्ग, दिव्यांगों के घर जाकर की जा रही ईकेवायसी

उमरिया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी उमरिया किशन सिंह ने बताया कि शासन की योजना से लाभ यथावत मिलता रहे इस के लिए केवाईसी कराई जा रही है जिसमे समग्र आई डी से आधार को लिंक किया जाना है । निकाय में ऐसे हितग्राही जो बुजुर्ग है, दिव्यांग जन है जो नगर पालिका नही आ सकते ऐसे 274 हितग्राही जिनकी केवाईसी होनी है, हितग्राही परेशान न हो इसलिए नगर पालिका परिषद ने हितग्राहियों के घर को ढूंढ कर केवाईसी करना प्रारंभ किया है। इसका असर यह हुआ की अशक्त नागरिक को इस प्रचंड गर्मी में निकले बिना घर में ही ई केवायसी हो गई उन्हे शासन का लाभ यथावत मिलता रहेगा ।

नायब तहसीलदार करकेली को सौंपा गया दायित्व

उमरिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु उमरिया जिले की दो विधानसभा क्षेत्र क्रमशः 89 बांधवगढ एवं 90 मानपुर के मतगणना कार्य शासकीय पालीटेक्निक उमरिया में 4 जून को किया जाएगा । सहायक रिटर्निंग आफिसर विधानसभा क्षेत्र89 बांधवगढ रीता डेहरिया ने मतगणना दिवस 4 जून को मतगणना के समय प्रत्येक गणना टेबल से प्राप्त प्रारूप 17ग भाग - 2 की प्रत्येक चरण में समेकित जानकारी, मीडिया कर्मियों को उपलब्ध कराये जाने हेतु एवं मतगणना कक्ष में मीडिया कर्मियों के प्रवेष के संबंध में जनसंपर्क अधिकारी उमरिया से समन्वय स्थापित किए जाने हेतु आंचल अग्रवाल नायब तहसीलदार करकेली को नियुक्त किया है।

अतिक्रमण पर प्रशासन का जमकर चला बुलडोजर

शहपुरा नगर के जबलपुर डिंडोरी मुख्य मार्ग पर हुई ताबड़तोड़ कार्रवाई

शहपुरा। जिला प्रशासन व कलेक्टर महोदय के निर्देशन पर एसडीएम शहपुरा की उपस्थिति में शहपुरा नगर में फैले अतिक्रमण को हटाने विगत दिनों बैठक का आयोजन किया गया साथ ही नोटिस व अनाउंसमेंट्स के बाद अंततः शनिवार 01 जून 24 को सुबह 09 बजे से ही एसडीएम अनुराग सिंह एसडीओपी मुकेश अविन्द्रा तहसीलदार पुष्पेंद्र पन्द्रे नायब तहसीलदार शैलेश गौर नप सीएमओ कमलेश बिजेवार टीआई शिवलाल मरकाम समेत आरआई पटवारी व नप अमले की उपस्थिति में शहपुरा नगर के मुख्य मार्गों पर पसरे बेजा अतिक्रमण को जेसीबी के माध्यम से हटाया गया तो वहीं व्यापारियों ने भी प्रशासन का सहयोग करते हुए स्वयं से ही अतिक्रमण हटाये साथ ही जानकारी दी गई कि आज, कल व आगामी दिनों में भी यह कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी अतः पुनः अतिक्रमण न किया जाए साथ ही विस्थापित व्यापारियों के लिए अन्यत्र सुविधायुक्त स्थल पर ही दुकान लगाने और पुनः अतिक्रमण न करने के भी सख्त निर्देश दिए गए हैं।

सुदृढ यातायात के लिए हटाया अतिक्रमण

नेशनल हाईवे पर स्थित शहपुरा नगर जो इस क्षेत्र का एक बड़ा रोड जंक्शन है जहाँ से नेशनल हाईवे समेत स्टेट हाइवेज भी गुजरती हैं जहाँ बेतरतीब फैले अतिक्रमण की वजह से यातायात व्यवस्था पूर्णतः चरमरा गई थी जिससे अत्यधिक व्यवधान उपत्पन्न हो रहा था अतः सख्ती से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

निरंतर जारी रहेगी कार्रवाई

जानकारी दी गई कि बेजा अतिक्रमण के कारण शहर की यातायात व्यवस्था लचर हो चुकी है जो दुर्घटनाओं का कारण बन रही थी जिस कारण अतिक्रमण हटाया गया तो वहीं विस्थापितों को अन्यत्र चयनित स्थल पर ही दुकान लगाने के निर्देश के साथ दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत भी दी गई है और पुनः अतिक्रमण न करने की हिदायत दी गई है।

विस्थापितों हेतु पृथक से स्थल चयनित

शहपुरा नगर के मुख्य मार्ग जबलपुर अमरकंटक रोड आईटीआई रोड उमरिया रोड निवास रोड व अन्य प्रमुखतम स्थलों पर फैले बेतरतीब अतिक्रमण को हटाते हुए प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थल पर फल, सब्जी हेतु विकासखण्ड कार्यालय के पास स्थित मैदान पर तथा गुपचुप चाट एवं चाउमिन आदि की दुकानों हेतु मानस भवन के पास स्थित चैपाटी मैदान में लगाये जाने के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं व उक्त अस्थायी/स्थायी अतिक्रमण हटाकर प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर व्यवसाय किया जाना सुनिश्चित करने हेतु व्यापारियों को निर्देशित किया गया है।

जनपद पंचायत मेंहदवानी के ग्राम पंचायत सुरजपुरा का मामला

पानी की समस्या को लेकर महिलाओं ने ग्राम पंचायत का किया घेराव

मेंहदवानी। भीषण गर्मी में बूंद बूंद पानी को तरस रहे ग्राम सुरजपुरा के महिलाओं ने शनिवार को मोर्चा खोलते हुए खाली बर्तन लेकर ग्राम पंचायत भवन सुरजपुरा का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। महिलाओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और जल्द ही समस्या समाधान करने का आश्वासन दिया तब कहीं जाकर महिलाएं खाली बर्तन लेकर वापस अपने अपने घर रवाना हुए।

क्या है मामला

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम सुरजपुरा में गर्मी का मौसम आते ही पानी का संकट गहरा गया और लोकसभा चुनाव के ठीक दो दिन पहले मोटर पंप जलने से नलजल योजना ठप्प पड़ गया। लापरवाह सरपंच सचिव इस ओर ध्यान नहीं दिए और जलसंकट गहराता चला गया। ग्राम पंचायत द्वारा बीच बीच में पानी टेंकर से ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध कराया जाने लगा जो नाकाफी साबित हुआ और पानी की समस्या दिनों-दिन बढ़ता गया जिसके चलते महिलाओं का सब्र का बांध टूट गया। शनिवार को नाराज महिलाओं ने खाली बर्तन लेकर ग्राम पंचायत भवन का घेराव कर विरोध प्रदर्शन करने लगे तब कहीं जाकर जिम्मेदार नींद से जागे और पीएचई विभाग के शरण जा पहुंचे। पीएचई विभाग के एसडीओ के द्वारा फोन पर ही महिलाओं से बात कर नया मोटरपंप उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया और रोजगार सहायक को तत्काल शहपुरा आकर मोटरपंप सहित अन्य जरूरी उपकरण ले जाने को कहा और पानी की आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार पंचायत कर्मियों द्वारा देर शाम को मोटरपंप लाया गया है जिसे रविवार को बोर में डालकर पानी सप्लाई शुरू किया जाएगा।

मतगणना स्थल के 100 मीटर आंतरिक परिधि में धारा 144 लागू

डिंडौरी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत लोकसभा क्षेत्र कं. 14. मण्डला (अ.ज.जा.) के तहत डिण्डौरी जिले में 19.04.2024 को सम्पन्न हुए मतदान की मतगणना का कार्यक्रम सम्पूर्ण राष्ट्र के साथ ही 04 जून 2024 दिन मंगलवार को सुबह 08.00 बजे से शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिण्डौरी में होना निर्धारित है। मतगणना नियम के निर्देशानुसार मतगणना केन्द्र के चारों ओर 100 मीटर की परिधि को पैदल यात्री क्षेत्र के रूप में सीमांकित कर बेरीकेटिंग किए जाने के निर्देश जारी किये गए। 04 जून 2024 दिन मंगलवार को लोकसभा क्षेत्र कं. 14. मण्डला (अ.ज.जा.) तहत डिण्डौरी जिले में हुए मतदान के मतगणना स्थल शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय भवन डिण्डौरी के 100 मीटर की परिधि में परिसर के अंदर शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का पालन करते मतगणना कार्य सम्पन्न कराने, साथ ही मानव जीवन, स्वास्थ्य या क्षेम को खतरा एवं लोक प्रशांति विक्षुब्ध होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए मेन गेट नं.01 में बेरीकेटिंग से शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय भवन डिण्डौरी परिसर के आंतरिक भाग में अनुज्ञा प्राप्त अभ्यर्थी, एजेण्ट के लिए पैदल क्षेत्र घोषित किया जाना आवश्यक है, और परिस्थितियों ऐसी नहीं हैं कि उस व्यक्ति, व्यक्तियों पर, जिसके विरूद्ध यह आदेश निंदिष्ट है, सूचना तामीली सम्यक समय में करने की गुंजाइश हो, इसलिए एक पक्षीय रूप से प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया गया है। साथ ही यह समाधान हो गया है कि उपरोक्त अवांछनीय, अमानवीय स्थिति से लोक शांति भंग होने की पूर्ण आशंका है, को नियंत्रण में रखने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अधीन कार्यवाही करने के लिए पर्याप्त आधार हैं और तुरंत निवारण या उपचार करना वांछनीय हो गया है। अतः कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत जन सामान्य के कल्याण हेतु शासकीय चन्द्र विजय महाविद्यालय भवन/परिसर डिण्डौरी में उक्त मतगणना के दौरान लोक शांति बनाये रखने हेतु 03 जून को सायं 7.00 बजे से 04 जून 2024 को मतगणना कार्य सम्पन्न होने तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है कि शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय भवन/परिसर की सीमा के अंदर 100 मीटर आंतरिक भाग में 03.06.2024 को सायं 7.00 बजे से 04.06.2024 को मतगणना कार्य सम्पन्न होने तक अनुज्ञा प्राप्त अभ्यर्थी/एजेण्ट के लिए पैदल यात्री क्षेत्र घोषित किया है। इस दौरान शासकीय वाहनों को छोडकर किसी भी प्रकार के कोई भी वाहन का परिसर के अंदर प्रवेश वर्जित रहेगा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 प्रक्रिया सम्पन्न होने के तत्काल बाद यह प्रतिबंधात्मक आदेश स्वमेव समाप्त हो जावेगा । अतः यह आदेश एक पक्षीय पारित किया गया है। आदेश से व्यथित व्यक्ति दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 (5) के अंतर्गत अधोहस्तारकर्ता के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्व भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

गोरखपुर में नव निर्मित नाली में जगह जगह गड्ढे और दरारें, ठेकेदार करा रहा गुणवत्ताहीन निर्माण

डिंडौरी। जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर में इन दिनों हाइवे चैड़ीकरण के साथ कस्बा में नाली निर्माण किया जा रहा नाली निर्माण में किस प्रकार से निम्न स्तर से कार्य कराया जा रहा है इसका नमूना देखना है तो कस्बा में हाइवे चैड़ीकरण के लिए चल रहे निर्माण कार्य को देखकर सहज अंदाजा लगाया जा सकता है,यहां तथाकथित ठेकेदार ने सारे नियम कानून और सरकारी मापदंडों को दरकिनार कर खुलेआम घटिया नाली निर्माण कार्य करने में लगा हुआ है ,परिणामस्वरूप अभी से नाली की दीवार फट रहीं हैं इनमें जगह जगह दरारें उभर आई है जबकि कुछ स्थानों पर ऊपरी सतह में गढ्ढे हो गए हैं ,बावजूद यहां धड़ल्ले से निर्माण कार्य जारी है कस्बावासियों का आरोप है कि ठेकेदार मनमानी तरीके से नाली निर्माण करवा रहा है इसमें तकनीकी मापदंड को दरकिनार कर गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य चल रहा हैं न तो इसमें विधिवत तराई किया जाता और न ही गुणवत्ता युक्त सामग्री का उपयोग यघपि मिट्टी युक्त रेत से बन रहें नाली निर्माण पूरा होने से पहले ही क्षतिग्रस्त हो रहा हैं वहीं घटिया निर्माण के चलते नाली की दीवार अभी से कमजोर हो गई है ।

बहरहाल नाली निर्माण से असंतुष्ट कस्बावासियों निर्माण कार्य को लेकर तथा तकनीकी अमले के मौके पर नहीं आन और निर्माण कार्य का निरीक्षण नहीं होने से काफी आक्रोश है,इन्होंने जिम्मेदारों का ध्यानाकर्षण करते हुए मजबूत निर्माण कार्य को कराने की बात कही है हालांकि कस्बा के कुछ लोग इस मामले की मौखिक जानकारी देने तहसील कार्यालय पहुंच इस समस्या से नायब तहसीलदार को अवगत कराया है। नायब तहसीलदार ने शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला कलेक्टर को अवगत कराया था वहां से दिशानिर्देश हुआ था कि हल्का पटवारी मौके पर पंचनामा बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

फिर से हो नाली निर्माण

नाली निर्माण से असंतुष्ट स्थानीय नागरिकों ने शासन प्रशासन से मांग किया है कि वर्तमान में जहां नाली निर्माण किया गया है इसमें बहुत कमियां हैं ऐसे घटिया निर्माण को बढ़ावा देने में जिन लोगों को हाथ हैं उनके खिलाफ विधिवत जांच करवाई जाए तत्पश्चात जितने लोगों की संलिप्तता पाई जाती हैं उन सभी पर मिसाल पेश करते हुए ठोस कार्रवाई किया जाएं ताकि दुबारा कोई निर्माण कार्य में लापरवाही न करें क्योंकि शासन प्रशासन विकास कार्य के नाम पर इतनी बड़ी राशि बार बार नहीं स्वीकृत करता और जब काम हो रहा है तो नियमानुसार हो इन्होंने ने बताया कि वो तो हाइवे चैड़ीकरण के साथ नाली निर्माण हो रहा है वरना स्थानीय लोग वर्षों से नाली निर्माण की मांग कर रहे थे जिस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था इसलिए जब निर्माण कार्य हो ही रहा है तो मजबूत और गुणवत्तापूर्ण सामग्री के साथ हो इसलिए तत्काल इस घटिया निर्माण को ध्वस्त कर शासन के दिशा निर्देश पर तकनीकी अमले की उपस्थिति में पुनः मजबूत निर्माण कार्य कराया जाएं ।

मोबाइल टार्च की रौशनी में ढलाई

कस्बा के अंदर जल्दबाजी में बन रही नाली निर्माण में ठेकेदार अकुशल मजदूरों से मनमानी ढंग से देर रात तक काम करवाते हुए बेखौफ मोबाइल टार्च की रौशनी में ढलाई करवा रहा है ऐसे अंधेरे में बन रहे नाली कितना मजबूत बन पाएगा सोचनीय है बहरहाल न तो इनकी मनमानी पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति दर्ज कराया और न ही कोई रोकने टोकने वाला है परिणामस्वरूप जैसा चाहो वैसा बनाओ मेरी मर्जी के तर्ज पर नाली का निर्माण चल रहा हैं।

नहीं पहुंचा तकनीकी अमला

गौरतलब हैं कि हर सरकारी निर्माण कार्य की जांच पड़ताल के लिए सरकारी अमला होता है जिसके जिम्मे काम की गुणवत्ता को परख कर सही से कार्य कराना होता है लेकिन यहां काम शुरू हुए लगभग डेढ़ माह हो रहें हैं लेकिन आजतक कोई सरकारी अधिकारी कर्मचारी आकर इस निर्माण कार्य को नहीं देखा यद्यपि तकनीकी अमले की अनदेखी संदेह को बढ़ावा दे रहा है बहरहाल अब आगे यह देखना दिलचस्प होगा कि जिला प्रशासन इस घटिया निर्माण की जांच तत्काल करवाता है या फिर ठेकेदार को अभयदान मिलेगा।

प्रमोद कुमार मौर्य नियुक्त हुए भारतीय किसान संघ शहपुरा के तहसील अध्यक्ष

डिंडौरी। भारतीय किसान संघ जिला शाखा डिंडोरी के तत्वाधान में त्रिवार्षिक कार्यकारणी गठन को लेकर गुप्ता मैरिज गार्डन शहपुरा में किसान सभा का आयोजन किया गया,जिसमें जिला कोषाध्यक्ष विवेकानंद साहू को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया। किसान सभा में किसानों ने अपनी विभिन्न मूलभूत समस्याओ पर विचार मंथन कर मुख्यमंत्री के नाम नहर सुधार, पेयजल, समस्त तहसीलों और कार्यालय में सीसीटीवी की सुविधा, खाद्य बीज, पौधारोपण और संरक्षण और गृहग्राम में पदस्थ राजस्व निरीक्षक को हटाने संबंधी 08 बिंदु में सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा ही। सैंकड़ों किसानों ने प्रमोद कुमार मौर्य को तहसील अध्यक्ष बनाए जाने हेतु एकमत से सहमति प्रदान किया जिसके आधार पर निर्वाचन अधिकारी ने श्री मौर्य को तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया। तहसील अध्यक्ष मौर्य ने सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार किया जिसमें तहसील मंत्री यतेंद्र कुमार साहू, उपाध्यक्ष सामंत सिंह मरकाम, जगदीश साहू, हरीसिंह परस्ते संयोजिका श्रीमती रेखा पंद्राम सहसंयोजिका सुश्री प्रियंका बरमैया सहित 21 पदाधिकारी नियुक्त किए गए। किसानों ने चिलचिलाती धूप में रैली निकालते हुए अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया और तत्काल निराकरण करने को कहा जिससे समय रहते वर्षा के पूर्व किसानों की

समस्याओं का समाधान हो सके। गृहग्राम में पदस्थ अधिकारी राजस्व निरीक्षक बलीराम साहू के मनमानी से परेशान किसानों ने राजस्व निरीक्षक को हटाने के लिए मुख्यमंत्री से निवेदन किया जिससे किसानों का काम सुचारू रूप से हो सके। कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ महाकोशल के संगठनमंत्री भरतभाई पटेल, संघ से भगीरथ जी,किसान नेता और अधिवक्ता संघ शहपुरा के अध्यक्ष अधिवक्ता दयाराम साहू जिलाध्यक्ष बिहारीलाल साहू, जिलामंत्री अधिवक्ता निर्मलकुमार साहू सहित लगभग 60 ग्राम से आए सैंकड़ों किसान रहे उपस्थित।

रेवा स्वास्थ्य कैंप का किया गया आयोजन

डिंडौरी। जिला प्रशासन द्वारा पोषण के खिलाफ जारी जंग के लिए सभी विकासखंडो में रेवा स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री विकास मिश्रा के निर्देशन में रेवा कैंप का आयोजन प्रत्येक शनिवार को ऐसे दूरस्थ क्षेत्रों में किया जा रहा है, जहाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच सुलभ नहीं है। रेवा स्वास्थ्य कैंप के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य सेवायें गाँव गाँव तक पहुंच रही है। रेवा स्वास्थ्य कैंप के माध्यम से कुपोषण की पहचान की जा रही है जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने में बाद आंगनबाडी कार्यकर्त्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है जिससे बच्चे सैम श्रेणी से मैम श्रेणी में आ रहे है। रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है।
आयुष विभाग वात, पित्त और कफ में संतुलन बनाकर रोगियों का उपचार करता है, जिससे सम्बंधित बीमारियां पूरी तरह ठीक हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है,जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे।आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है, साथ ही कैंप में आये सभी लोगों को खिचड़ी का वितरण किया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है।रेवा कैंप एक साँझा प्रयास है जिसमें सभी विभाग अपनी भूमिका निभा रहे है।
इसी क्रम में आज आयोजित रेवा कैंप के दौरान वार्ड नं. 12 एवं 13 कंपनी चैक पुरानी डिंडौरी में 135, वार्ड नं. 05 शिव शक्ति भवन शहपुरा 75, ग्राम पंचायत उफरी बैगा टोला .जनपद पंचायत बजाग में 148., ग्राम पंचायत छिवली जनपद पंचायत डिंडौरी में 350, ग्राम पंचायत चकमी जनपद पंचायत करंजिया में 182, ग्राम मसूरघुघरी (खाईपानी) जनपद पंचायत मेंहदवानी में 78, ग्राम पंचायत किवाड़ जनपद पंचायत समनापुर में 67 तथा ग्राम पंचायत रनगांव के ग्राम मुन्गेला जनपद पंचायत शहपुरा में 145 लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लाभ लिया।

कलेक्ट्रट सभाकक्ष में आयोजित हुई पीएचई की समीक्षा बैठक

डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पीएचई की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्रवार पेयजल कार्यों की जानकारी ली और आगामी दिनों के लिए पेयजल व्यवस्था की नीति पर विस्तार से चर्चा की। पीएचई अधिकारियों ने विकासखंड के आधार पर पेयजल व्यवस्था के बारे में कलेक्टर को अवगत कराया। बताया गया कि कई स्थानों पर जल आपूर्ति कार्ययोजना पंचायत को सौंप दी गयी है, जिसके बाद पंचायत द्वारा जलआपूर्ति की जा रही है जिस पर पीएचई विभाग भी निगरानी रखे हुए है। कलेक्टर ने कहा कि जहाँ भी पंचायत के कार्यों में पेयजल सम्बंधित लापरवाही सामने आ रही है, वहाँ सीईओ जनपद पंचायत को सूचित कर आगे का कार्य करें। पेयजल आपूर्ति के लिए कुछ स्थानों पर विद्युत के 3 फेज नहीं आने के कारण पेयजल आपूर्ति में बाधा आयी है जिसे विद्युत विभाग के साथ समन्वय बनाकर ठीक किया जा रहा है, 3 फेज बिजली आपूर्ति से पेयजल आपूर्ति भी निर्बाध रूप से प्रारम्भ हो जाएगा। पीएचई विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि कई स्थानों पर जलस्तर के नीचे जाने से बोर बंद होने की समस्या आयी है जिसे बोर की मोटर ठीक करवा कर समाधान लगातार किये जा रहे है। 13 गाँव में अभी पेयजल परिवहन किया जा रहा है,जिनमें से कई गाँव में जलस्त्रोत सुचारु रूप से चालू होने वाले है, वहां परिवहन रोक दिया जाएगा। साथ ही जिले में जलआपूर्ति के लिए सतत कार्य किये जा रहे है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने पेयजल आपूर्ति के लिए आगामी दिनों की रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए,उन्होंने कहा कि आगामी मौसम के अनुसार कार्य योजना पर अमल करें, इस समय पुराने जलस्त्रोतों को रिचार्ज करने की अवश्यकता है, जो योजना पूर्ण हो चुकी है, उन्हें जल्द से प्रारम्भ कर ग्रामीणों को जल आपूर्ति करें। पेयजल आपूर्ति और व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग और जल निगम के साथ समन्वय के साथ कार्य करें उन्होंने कहा कि पेयजल शिकायतों का त्वरित निवारण करें और कण्ट्रोल रूम को अलर्ट रखें जिससे निवारण जल्दी हो सकें। उक्त बैठक में एसई टी के मसूद, एसडीओ मनोज उपाध्याय, एसडीओ राजेश गौतम सहित पीएचई विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 2 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

जिला स्तर पर कैंप आयोजित करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । लोक शिक्षण संचालनालय मप्र भोपाल के निर्देशानुसार जबलपुर संभाग अंतर्गत कार्यरत सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक, खेलकूद शिक्षक एवं संगीत शिक्षक वर्ग 2 संवर्गीय एक अप्रैल 2023 की स्थिति में अंतरिम पदक्रम सूची 29 मई 2024 को प्रकाशित की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर द्वारा जारी अंतरिम पदक्रम सूची को उक्त संवर्गों के समस्त लोक सेवकों को संकुल प्राचार्य, संस्था प्रधान के माध्यम से अवलोकन कराने के लिए संकुल, विकासखण्ड व जिला स्तर पर कैंप लगाने के लिए कहा है। प्रत्येक लोक सेवकों को पदक्रम सूची का अवलोकन कराने सहमति, असहमति प्राप्त करने तथा निर्धारित प्रपत्र अनुसार दस्तावेजों एवं अभिलेखों सहित दावे आपत्ति प्राप्त कर संशोधन उपरांत साफ्ट एवं हार्ड कापी में 6 जून 2024 के पूर्व समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर में प्रस्तुत की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समय सीमा के कार्य हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्य, संस्था प्रमुख को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश जारी किये।

विदाभिनंदन समारोह सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस शासकीय हाई स्कूल बहोरीपार कला में पदस्थ जी एल पटेल एवं माध्यमिक शाला डांगीढाना की प्रधान पाठक श्रीमती शीला धानक का शासकीय सेवा पूर्ण करने पर विदाभिनंदन समारोह शगुन गार्डन में आयोजित किया गया। जनशिक्षा केंद्र डांगीढाना द्वारा आयोजित समारोह जिला परियोजना समन्वयक आर पी चतुर्वेदी के मुख्य आतिथ्य, संकुल प्राचार्य संदीप नेमा की अध्यक्षता, प्राचार्य इकबाल कुरैशी, वरिष्ठ नागरिक हाकम सिंह पटेल एवं रामचरण सोनी के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बी आर सी कार्यालय के अधिकारियों ने भी उपस्थित होकर शिक्षकों का सम्मान किया। आयोजन में उपस्थित अतिथियों ने शिक्षक द्वय की कार्यशैली पर विचार व्यक्त किए। राजकुमार पाण्डेय एवं भगवत साहू ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोतीलाल गुप्ता, संजय सोनी, हरिराम पटेल, दीपक श्रीवास्तव, संतोष मेहरा का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डा विवेक सक्सेना एवं आभार प्राचार्य इकबाल कुरैशी ने किया।

सहायक कलेक्टर ने उड़ान कोचिंग में पहुंचकर दिया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । सहायक कलेक्टर शुभम यादव ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित उड़ान निशुल्क कोचिंग में पहुंचकर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने अपने शैक्षणिक जीवन एवं यूपीएससी की तैयारी के संबंध में छात्रों से चर्चा की एवं परीक्षाओं से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं से सभी को अवगत कराया। विदित है की जिला प्रशासन द्वारा संचालित उड़ान निशुल्क कोचिंग में विगत 7 वर्षों से लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशेष तैयारी कराई जाती है। संस्था के सेकड़ों छात्र परीक्षाओं में चयनित होकर विभिन्न शासकीय विभागों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उड़ान निशुल्क कोचिंग संस्था के पुस्तकालय से छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की विभिन्न किताबें आवंटित कर तैयारी कर सकते हैं। संस्था में उपलब्ध डिजिटल लाइब्रेरी की भी सुविधा प्रदान की गई है। समय- समय पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षा संबंधी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर उत्साहपूर्ण माहौल में प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन जारी है। इस दौरान संस्था के समन्वयक विवेक सिंह, प्रभारी अक्षय शर्मा, शिक्षक बसंत श्रीवास्तव, अजित विश्वकर्मा, मनीष आरसे एवं अभिषेक गुमास्ता मौजूद थे।

शांति व कानून व्यवस्था के लिये अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

जिले का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन 6 से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । जिला मुख्यालय के समीपी ग्राम नवलगांव में 6 जून 2024 से 10 जून 2024 तक आयोजित होने वाली बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित होने वाली श्री हनुमंत कथा की तैयारी विगत दो माह से चल रही है यह आयोजन जिले में इतिहास रचना वाला आयोजन है आयोजन समिति के प्रमुख अजय लोधी तथा सागर लोधी के द्वारा कथा के आयोजन को लेकर जो तैयारी की जा रही है ।

कलश यात्रा में 11000 से अधिक महिलाएं होगी सम्मिलित

35 एकड़ में बनाया गया विशाल पंडाल

आयोजन समीति द्वारा बताया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये 35 एकड़ भूमि पर कथा श्रवण करने वाले धर्म प्रेमियों के लिए पंडाल लगाया गया है एवं कथा में पहुंचने वाले सभी श्रद्धालुओं को भंडारे की व्यवस्था भी 15 एकड़ भूमि में की गई है तथा जिला प्रदेश तथा देश के अन्य राज्यों से पहुंचने वाले धर्म प्रेमियों के वाहनों के पार्किंग के लिए कथा स्थल के तीनों तरफ के मार्ग पर पार्किंग व्यवस्था भी की गई है आवागमन करने वाले सभी श्रद्धालुओं को अनेकों स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की गई है हमारा हर संभव प्रयास है की कथा श्रवण करने जो भी श्रद्धालु कथा स्थल पहुंचेंगे उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या ना हो ।

किया जा रहा व्यापक प्रचार प्रसार

कार्यक्रम में लाखो की संख्या में धर्म प्रेमियों के पहुंचने की बन रही संभावना बन रही है । आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा आयोजन को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है । जिस प्रकार से महाराज जी के प्रति जो जन-जन का लगाव है जिस दिन से कथा का प्रचार प्रसार शुरू हुआ भूमि पूजन के उपरांत कथा स्थल पर हजारों की संख्या में लोगों का आना-जाना दिन-रात लगा हुआ है आगामी दोनों में जब महाराज जी की कथा प्रारंभ होगी तो अनुमान ऐसा प्रतीत हो रहा है की प्रतिदिन लाखों की संख्या में धर्म प्रेमियों की उपस्थिति रहेगी पांच दिवस की कथा में 10 से 15 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना की जा रही है हालांकि उसी के अनुरूप हमारा प्रयास भी है और उतनी व्यवस्थाएं भी हमारे द्वारा की जा रही हैं ग्राम रानी पिपरिया नवल गांव सिंहपुरबड़ा खुरपा डांगीढाना एवं जिला मुख्यालय नरसिंहपुर तथा सभी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों द्वारा इस आयोजन को भरपूर सहयोग किया जा रहा है सभी सेवादार के रूप में कार्यरत होकर इस आयोजन के सहयोगी बन रहे हैं ।

11 हजार मातृशक्ति रखेंगी कलश

आगामी 6 जून 2024 को नरसिंहपुर नगर के तीर्थ धाम सदर मड़िया प्रांगण से प्रारंभ होने वाली कलश यात्रा में वर्तमान स्थिति को देखते हुए 11000 से अधिक मातृशक्ति कलश यात्रा में सम्मिलित होने का अनुमान है क्योंकि 5 जून 2024 को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर महाराज पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज का नरसिंहपुर आगमन होगा तथा महाराज जी का यदि आदेश हुआ तो कलश यात्रा में महाराज जी के पहुंचने का संयोग भी बन सकता है।

घर-घर दिया जा रहा आमंत्रण

जिस प्रकार का आयोजन नरसिंहपुर जिले की पावन धरा में आयोजित हो रहा है आयोजन समिति के द्वारा जन-जन तक पहुंचकर दिए जा रहे आमंत्रण एवं महाराज जी के प्रति लोगों की आस्था और विश्वास के चलते आगामी दिनों में यह आयोजन इतिहास रचने वाला आयोजन होगा विश्व विख्यात कथावाचक श्री शास्त्री जी महाराज की एक झलक तथा उनके मुखारविंद से हनुमंत कथा का रसपान एवं 8 जून को लगने वाले दिव्या दरबार में अपनी हाजिरी लगाने भगवान की कृपा प्राप्त करने के लिए जिस प्रकार से प्रत्येक व्यक्ति आतुर दिखाई दे रहा है उससे ऐसा ही प्रतीत होता है कि यह आयोजन अब जन-जन का आयोजन बन चुका है।

व्यवस्था हेतु अधिकारी किये गये नियुक्त

थाना स्टेशनगंज नरसिंहपुर तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम नवलगांव में 6 जून से 10 जून तक बागेश्वर धाम पं. धीरेन्द्र शास्त्री जी द्वारा हनुमंत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत 6 जून को सुबह 9 बजे से सावित्री सिग्नेचर होटल से कलश यात्रा प्रारंभ होगी। उक्त कथा का आयोजन तथा कलश यात्रा के लिए कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए जिला दंडाधिकारी द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी नरसिंहपुर मणेन्द्र कुमार सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

कलेक्टर ने की सराहना, दी विदाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी एच पी कुर्मी एवं प्रकाश चंद मुखरैया, लेखापाल कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी , श्रीमती भारती नामदेव प्राचार्य हायर सेकेण्डरी बचई के अधिवार्षिकीय आयु पूर्ण कर दिनांक 31 मई 2024 को सेवा निवृत्त होने पर सेवा अभिनंदन समारोह कार्यक्रम डाइट प्रार्थना कक्ष में आयोजित किया गया। विदा अभिनंदन समारोह के पूर्व मां सरस्वती जी का पूजन अर्चन किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन पूर्व विधायक नरसिहपुर जालम सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत दलीप कुमार, सी एम एच ओ राकेश बोहरे का जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से स्वागत उपरांत मंचासीन अतिथियों सहित सहायक संचालक शिक्षा ए एस मसराम , डाइट द्वारा श्री कुर्मी, मुखरैया , श्रीमती नामदेव मैडम का पुष्प गुच्छ, शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उद्बोधन में सभी के द्वारा किए गए सफल एवं प्रेरणादायी कार्यकाल की सराहना करते हुए शेष समय परिवार एवं समाज के बीच सुख स्वस्थ्य समृद्धि के साथ व्यतीत हेतु शुभकामनाएं बधाई दी गई। पूर्व विधायक द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में जिला शिक्षा अधिकारी के दायित्व को पूर्ण ईमानदारी, शुचिता के साथ निभाकर प्रदेश स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र मे जिले को आपने गौरवान्वित किया है जो अविस्मरणीय रहेगा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने पारिवारिक, सामाजिक दायित्व के सुखमय जीवन शुभकानाएं देते हुए कहा कि आपके कार्यकाल में जिले का परीक्षा परिणाम प्रदेश में अव्वल रहा,शासकीय जीवन के अनुभव की लाइब्रेरी अपने साथ लेकर जा रहे हैं आप चाहें तो अपने अनुभव की किताब भी लिख सकते हैं, अपने माता पिता की सेवानिवृत्ति के अनुभव को साझा करते हुए भारत भ्रमण हेतु शुभकामनाएं दीं।

30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देश अनुसार तरह इस वर्ष भी 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कबड्डी खेल के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन ग्रामीण युवा केंद्र सिंहपुर (बड़ा) में प्रशिक्षक विकास शर्मा के द्वारा खिलाड़ियों को कबड्डी खेल के कौशल, तकनीक एवं शारीरिक व्यायाम का प्रशिक्षण दिया गया। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर का समापन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ब्रजेश शर्मा, कुश्ती एवं व्हालीबाल के पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश शर्मा, परेश गुरुजी द्वारा खिलाड़ीयों का उत्साहवर्धन किया व प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

कलेक्टर ने दिखाई मलेरिया रथ को हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । कलक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कलेक्ट्रेट कार्यालय से मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष जून माह मलेरिया के रूप में मनाया जाता है। मानसून के प्रारंभ होते ही मच्छरों की उत्पत्ति बढ़ जाने के कारण मलेरिया जन्य परिस्थितियां निर्मित हो जाती है। अतः मच्छर जन्य रोगों के प्रति जागरूकता लाने के लिए माह जून मलेरिया निरोधक के रूप में मनाया जाता है। इस माह में मच्छरों की पैदावार एवं मलेरिया तथा अन्य वाहक जनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रचार- प्रसार भी किया जाता है। इसके अंतर्गत मलेरिया के प्रति जनजागरूकता के उद्देश्य से मलेरिया रथ रवाना किया। यह रथ द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड के गॉव- गॉव में जाकर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश बोहरे ने बताया कि जिला टास्क फोर्स समिति अध्यक्ष कलेक्टर के निर्देश में मलेरिया माह के दौरान विभिन्न गतिविधियॉ आयोजित की जाएगी। जिसमें अंर्तविभागीय एडवोकेशी कार्यशाला, सेक्टर एवं पंचायत स्तर एडवोकेसी जन जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएगें तथा पूरे माह में बुखार रोगियों का सर्वे कर मलेरिया रोगियों की खोज कर उनका उपचार किया जायेगा। ग्राम स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य एवं तदर्थ समिति की बैठक आयोजित कर मच्छर जन्य परिस्थितियों के उन्मूलन हेतु प्रयास किए जायेंगे। साथ ही मलेरिया नियंत्रण के लिए प्रचार- प्रसार कर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। मेडिकल आफीसर डॉ. स्वर्णा सरस्ध्वता न मच्छरा स बचाव क बार म बताया। उन्होंने बताया कि सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, घर के आस-पास गड्ढों को भर दें, पानी से भरे रहने वाले स्थानों पर मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑयल डाले, घर एवं आस- पास अनुपयोगी सामग्री में पानी जमा न होने दे, सप्ताह में एक बार अपने कूलर का पानी खाली कर दे फिर सुखाकर ही उनका उपयोग करें, पानी के बर्तन आदि को ढक्कर रखें एवं हेण्डपंप के पास पानी एकत्र न होने दे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, डॉ. जीपी भनारिया, डॉ. एपी सिंह, सहायक संचालक जनसम्पर्क अधिकारी राहुल वासनिक, जितेन्द्र गोस्वामी, श्रीमती भारती चैरसिया, मुकेश रघुवंशी, गुंजन शर्मा, रामनरेश दुबे, खुमान शर्मा एवं कलेक्टर कार्यालय एवं मलेरिया कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

चोरी की सामग्री सहित चोर पकड़ाये

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । विगत दिवस किसान परमलाल पिता सेवालाल साहू ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि घटना दिनांक की दरम्यानी रात अज्ञात व्यक्ति ने ट्रेक्टर का उपयोग करते हुए उसके घर के बाहर रखी ट्राली को चुरा लिया है उक्त सूचना पर अपराध क्र 495/24 धारा 457,380 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जिस पर अपराध क्र 500/24 धारा 379 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया पूर्व में विवेचना के दौरान पावंद मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ग्राम छीतापार में सुबान पिता लतीफ खान के घर के सामने घटना में चोरी गयी ट्राली खडी हुई है जिसे ताजा आसमानी नीला रंग का पेंट कर दिया गया है उक्त सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने पर आरोपी सुवान पिता लतीफ खान के कब्जे से उक्त ट्राली कीमती करीब 175000 रु की गयी आरोपी ने पूछताछ मे बताया की उसने उक्त घटना आरिफ खान पिता शेख जहागीर खान निवासी रातीकरार थाना करेली तथा उमेश पिता राजेन्द्र पांडेय ने मिलकर की है जिसमें उमेश पांडेय की प्लेटिना गाडी से रैकी करते हुए आरिफ खान के सोलोसियर ट्रेक्टर से अलग-अलग दिन ट्राली को नर्मदा नगर करेली व प्लाउ को ग्राम छीतापार से चुराकर बारूरेवा नदी के पास छिपाकर रख दिये थे जहाँ से सुबान अपने जोडियर ट्रेक्टर से ट्राली को अपने घर ले आया था घटना में चुराये गये ट्राली और प्लाउ कुल कीमती 238000 का चोरी गया मशरुका तथा चोरी में प्रयुक्त वाहन क्रमशः एक जोडियर ट्रेक्टर कीमती करीब 8 लाख, एक सोलिसियर ट्रेक्टर कीमती 875000 रूपये, एक प्लेटिना मोटर सायकिल कीमती 25000 रूपये कुल 19 लाख 38 हजार रुपये का माल जप्त किया गया है तथा घटना के तीनों आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अस्पताल में चिकित्सकों की कमी

तेंदूखेड़ा- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा भगवान भरोसे चल रहा है। पूर्व से ही जहां डाक्टरों की कमी चल रही थी वहीं तीन डाक्टर और चले जाने से अब मात्र दो डाक्टरों के भरोसे ही अस्पताल चल रही है।इनमे एक डाक्टर का असमय निधन हो जाने तथा एक डाक्टर का प्रोमोशन हो जाने के चलते भोपाल चले जाने तथा एक का बान्ड पूर्ण हो जाने की स्थिति मे उक्त तीन डाक्टरों की कमी अस्पताल मे बनीं हुई है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के चलते जहां प्रतिदिन अस्पताल मे मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं डाक्टरों की कमी के चलते गंभीर स्थिति बनी हुई है। पूर्व से स्वीकृत 23 पदों में 09 पद रिक्त पड़े हुए हैं। इनमें जहां चिकित्सा विशेषज्ञ,शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ, तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ की एक एक की जरूरत है लेकिन पद खाली पड़े हुए हैं।साथ ही ओप्थेलमिक अस्सिटेंड, लेखापाल,लेव सहायक,ड्रेसर,,ओटी सहायक, एक एक की जरूरत है वह भी खाली पड़ा हुआ है।वाडवाय जहां दो चाहिए वहां मात्र एक ही है। वाहन चालक है ही नहीं। अस्पताल में चिकित्सा अधिकारी पांच है जो एक बंध पत्र चिकित्सक,दो संविदा, और दो रेग्युलर, एक आयुष चिकित्सक 08 स्टाप नर्स एक लैव टेक्नीशियन एक रेडियो ग्राफर एक फार्मासिस्ट तैनात हैं।शेष पद रिक्त पड़े हुए हैं। पद शो ना होने के कारण यहां की रिक्तियां पूर्ण नहीं की जा पा रहीं है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के सजग वर्ग ने तेंदूखेड़ा शास. अस्पताल मे विशेषज्ञ डाक्टरों एवं सुविधा संसाधनों के साथ अन्य अधिनस्थ कर्मियों की मांग की है।

सड़कों पर लगता है जाम छोटे बाहन बने मुसीबत

तेंदूखेड़ा- इन दिनों तेंदूखेड़ा में छोटे बाहन मनचले ढंग से खड़े हो जाने के कारण मुख्य सड़क मार्गों पर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है एवं घटनाएं बढ़ने की असंका बढ़ जाती है। छोटे छोटे बाहन सड़क किनारे या फिर दुकानों के सामने खड़े हो जाने के कारण भारी बड़े बाहनों को आवागमन में परेशानी हुआ करती है। स्थिति यह बन जाती है कि बाहनों की लंबी लंबी कतारें सड़कों पर जाम लगा देती है फिर विवाद की स्थिति बनती है। साप्ताहिक बाजार के दिन कुछ ज्यादा ही समस्या निर्मित हो जाती है। यहां पर पार्किंग की उचित व्यवस्था ना होने के कारण बाहन चालक अपने कहीं भी बाहन खड़े करके चलते बनते हैं।

शराबी पति पत्नी को दे रहा था गालियां, युवकों ने पीटा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । जिला मुख्यालय में एक शराबी द्वारा अपनी पत्नी के साथ गाली गलौज करने के दौरान उत्पन्न हुई गलतफहमी से दो युवकों ने शराब के नशे में धुत पति की बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। महिला ने अपने पति के साथ पहुंचकर अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

कोतवाली थाना अंतर्गत स्थित जनपद मैदान में थाना क्षेत्र का निवासी अमित पटेल अपनी पत्नी के साथ घूम रहा था। शराब के नशे में पति, पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान अमित अपनी पत्नी को गालियां देने लगा। इस दौरान पास ही मौजूद दो युवकों ने अचानक ही आकर उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। महिला ने पति को बचाने के लिए मदद की गुहार लगाई गई, लेकिन उसकी मदद करने कोई नहीं पहुंचा। काफी पिटाई करने के बाद जब दोनों युवकों का मन भर गया, तो घायल अवस्था में अमित को छोड़कर वहां से चले गए, अमित को चोटें आई हुई थी। इसके बाद पत्नी सीधे उसे लेकर थाने पहुंची और दोनों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। कोतवाली थाना पुलिस ने घायल को मुलाहिजे के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां उसे इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया है। वहीं पुलिस अज्ञात युवकों की पताशाही में जुटी हुई है।